

MALVIYA NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY, Jaipur

Guest Lecture Report

An invited guest lecture by Dr. Sudhir Bolusani, Alumni 1968 batch (Director, NIET Alwar) was organized by Team ALCOM on 22nd September 2016. Dr. Sudhir Bolusani graduated in 1968, Post Graduate Engineer from IIT Bombay with more than 38 years experience in the Ferrous Process Industry, Project Management quality control etc. He has been managing diverse range of metallurgical activities such as evaluation of material characteristics, production, and process control and quality assurance. Since May 2010, he has been teaching various mechanical engineering subjects in reputed Engineering institutes and had endeared to the students with his teaching capabilities.

Dr. Sudhir delivered two lectures, first the technical one on “Iron Making & Material Science” for Metallurgical and Material Science students & an open lecture for all students of MNIT Jaipur on the topic of “Road to Success: A professional’s Approach”.

Dr. Anil Kumar Bhargava (HOD, Department of Metallurgical & Material Science Engg.) & Prof. Ashok Srivastava (Professor, Department of Metallurgical & Material Science Engg.) inaugurated the afternoon session in the gracious presence of Prof. Kaushik (Mentor of Dr. B. Sudhir & the former Physical Education teacher of MREC).

Sh. Ashok Srivastava, Alumni 1965, also (Guest Faculty in the Department of Metallurgy) & Dr. Pawan Kalla (Faculty Coordinator, Alcom) inaugurated the evening session.

Dr. Sudhir shared his life experience while facing the competitive world where the demands and responsibilities on an individual are at extremes. In his own words, “The world is at war, the war to succeed, and if you want to win the war, be prepared with your weapons” Conclusion of the lecture was that there is no shortcut to success, unless and until you won’t work hard for your goal.

Students were highly motivated. Around 150 students from all branches attended this lecture.

Prof. Ashok Srivastava presented a token of appreciation, with a memento from MNIT Jaipur to Dr. Sudhir. Dr. Pawan Kalla gave vote of thanks to honorable guests present at the event.

The event was coordinated by third year Alcom team members Jitesh Jangir, Ankit jindal, Ankit Gupta, and Jitendra Jaiswal & more along with contribution from second yearities also. The event got “Paper Media” attention as well.

Prepared by :-

Simi Choudhary

Junior Assistant

CACS/AA

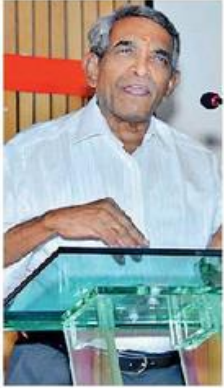


MEDIA COVERAGE

इंजीनियरिंग तुम्हारे लिए नहीं, यह आज भी मुझे याद : डॉ. बी सुधीर

गुरुवार को एमएनआईटी में 'रोड टू सक्सेस: ए प्रोफेशनल' पर हुआ स्पेशल लेक्चर

सिटी रिपोर्टर • इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान एक बार मुझे कहा गया कि रिक्शा चला लेते तो 8 रुपए मिल जाते। क्यों यहां आए, इंजीनियरिंग तुम्हारे बस



की बात नहीं है। वो बात आज भी याद है, जब कभी जिंदगी के मुकाम पर निराश हुआ तो, उस बात को याद कर फिर आगे बढ़ गया। यह कहना था नॉर्दन इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग टेक्निकल कैम्पस, अलवर के डायरेक्टर डॉ. बी. सुधीर का। उन्होंने गुरुवार को एमएनआईटी में 'रोड टू सक्सेस: ए प्रोफेशनल'

विषय पर हुए स्पेशल लेक्चर में स्टूडेंट्स और फैकल्टी मेंबर्स को संबोधित किया।

मंजिल तक पहुंचने के लिए पैशन जरूरी

सालों पहले घर से दूर रहकर पढ़ाई हमारे लिए काफी मुश्किल थी। आज स्टूडेंट्स पेरेंट्स से फोन पर बात कर लेते हैं, लेकिन हमें इमोजनल सपोर्ट की कमी अक्सर खलती थी। मैंने काफी कम उम्र में इंजीनियर बनने का सपना देखा। पिता अक्सर कहते इंजीनियर बनना है इसलिए मेहनत करो। मैंने जीवन में कभी हार नहीं मानी। इसलिए भी मैं एमएनआईटी से पहला स्टूडेंट रहा जिसने राजस्थान को रिप्रजेंट किया। मुंबई में जॉब के दिनों में मुझे प्रोडक्शन डिपार्टमेंट देने से इनकार कर क्वालिटी कंट्रोल एंड आर एंड डी डिपार्टमेंट लेने की बात कही। उस वक्त शिवसेना का काफी वर्कसच हुआ करता था और वे साउथ इंडियन को नापसंद करते थे।

भले ही सिचुएशंस विपरीत हों, पर निराश न हों

जयपुर • एमएनआईटी परिसर में गुरुवार को एलुमिनाई एसोसिएशन की ओर से 'रोड टू सक्सेस : अ प्रोफेशनल अप्रोच' कार्यक्रम हुआ। एलुमिनाई और एनआईटी, अलवर के डायरेक्टर बी. सुधीर को लेकर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने स्पीच दी। इंजीनियरिंग की पढ़ाई, जॉब और टीचिंग फील्ड को लेकर उन्होंने अपने साथियों व स्टूडेंट्स को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फाइटिंग स्पिरिट और जुनून सफलता के दो हथियार हैं। परिस्थितियां विपरीत हों या फिर बार-बार हार का सामना करना पड़े, कभी भी निराश नहीं होना चाहिए। कार्यक्रम में पवन कल्ला और अशोक श्रीवास्तव ने सुधीर के जीवन संघर्ष के बारे में बताया और कहा कि इंजीनियर्स को उनसे प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

पत्रिका

Fri, 23 Septem
epaper.patrika

सफलता के लिए लक्ष्य बनाना जरूरी

एनआईटी अलवर के
डायरेक्टर डॉ. सुधीर
बोलुसानी ने स्टूडेंट्स को
बताए सफलता के तरीके

डेली न्यूज, mix रिपोर्टर

जयपुर। जैसे तो हर व्यक्ति की नजर में सफलता का अर्थ अलग होता है, लेकिन इसे हासिल करने के लिए कठिन परिश्रम करना ही पड़ता है। इसका कोई भी शॉर्टकट नहीं होता। यह कहना है एनआईटी अलवर के डायरेक्टर डॉ. सुधीर बोलुसानी का। एमएनआईटी में गुरुवार को एल्युमिनाई कमेटी की ओर से आयोजित स्पेशल लेक्चर सेशन में डॉ. सुधीर ने स्टूडेंट्स को से इंटरव्यू किया। 'रोड टू सक्सेस: ए प्रोफेशनलस अप्रोच' थीम पर आयोजित इस लेक्चर में डॉ. सुधीर ने अपने जीवन के सफर के बारे में बताते हुए स्टूडेंट्स को सक्सेस को समझने और हासिल करने के बारे में बताया।



**अपने
आप को
समझना
जरूरी**

जीवन में सफलता हासिल करने के लिए लक्ष्य बनाना जरूरी है। लक्ष्य बनाने से पहले अपने आप को समझना भी जरूरी है। अगर आप अपने व्यक्तित्व, क्षमता, साधन और चाहत को ध्यान में रखकर लक्ष्य बनाते हैं तो आप उसे हासिल करने के लिए रास्ता भी खुद ही बनाएंगे। लक्ष्य निर्धारण अगर सही किया है तो सफलता की शुरुआत जीवन में होने लगती है। डॉ. सुधीर ने बताया कि वो बचपन से ही इंजीनियर बनना चाहता और किस तरह से उन्होंने अपने सपने के अकोर्डिंग लक्ष्य निर्धारण किए। डॉ. सुधीर ने बच्चों की सफलता में पेरेंट्स की भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि पहले बच्चों की इच्छा और क्षमताओं के अनुसार ही पेरेंट्स बच्चे का लक्ष्य चुनते या चुनने में मदद करते, लेकिन आज हर पेरेंट्स की इच्छा है कि उनका बच्चा दुनिया में उनका नाम रोशन करें, उन्हें बच्चों की क्षमताओं से कोई मतलब नहीं होता। डॉ. सुधीर ने इसे गलत चलन बताया।

Fri, 23 September 2016
dailynewsnetwork.epapr.in/c/13435557